# भारतीय समाज : मुद्दे एवं समस्याएँ

Date: / /

## निर्धनता

निर्धनता एक गम्भीर समस्या है। यद्यपि यह एक आर्थिक समस्या है। क्योंकि आर्थिक अभाव ही निर्धनता को जन्म देता है।

## निर्धनता का अर्थ और परिभाषा

**गोडार्ड के अनुसार —** निर्धनता उन वस्तुओं की प्राप्त पूर्ति का अभाव है। जो व्यक्ति तथा उसके आश्रितो की स्वास्थ्य और कुशलता के बनाये रखने मे आवश्यक है। इस प्रकार केवल भोजन वस्त्र और आवास के प्रबन्ध से ही निर्धनता की समस्या समाप्त हो जाती है।

**गिलिन और गिलिन —** निर्धनता की प्रकृति और उसके प्रमुख कारणो के आधार पर इसे समझने का प्रयत्न किया है।

**जे. जी. गोडार्ड —** निर्धनता उन चीजो का अभाव है। जो व्यक्ति और उसके आश्रितो के स्वास्थ्य तथा को बनाये रखने की आवश्यक है।

**एडम स्मिथ —** आदमी धनी है या निर्धन इसका निर्धारण मानव जीवन की आवश्यक वस्तुओ आराम तथा मनोरंजन मे साधनों की उपलब्ध मात्रा के आधार पर किया जा सकता है।

**योगेश अटल —** निर्धनता का सम्बन्ध व्यक्ति की अयोग्यता अज्ञानता अकुशलता व शारीरिक मानसिक दोस से है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Date: / /

कुछ व्यक्ति मद्यपान जुआखोरी व वेश्यावृत्ति आदि से ग्रसित हो जाता है। फलस्वरूप ऐसा व्यक्ति अपने आय को समुचित रूप से व्यय नहीं करता है।

## निर्धनता के सिद्धान्त

### संयुक्त परिवार प्रणाली –

भारतीय समाज में निर्धनता की सर्वाधिक सामाजिक कारणों में संयुक्त परिवार प्रणाली अत्यन्त महत्व पूर्ण कारक है। इस प्रकार सदस्यों में अकर्मण्यता पैदा होती है।

**गन्दी बस्तियाँ** – औद्योगिक नगरों में गन्दी बस्तियाँ निर्धनता के प्रमुख केन्द्र हैं।

### कुरीतियाँ और अंधविश्वास –

सामाजिक कुरीतियाँ और प्रत्येक समाज की आर्थिक प्रगति में बाधक रही।

## निर्धनता के परिणाम

(1) **अपराध और बाल अपराध** – आर्थिक और अपराधशास्त्री ने निर्धनता को विभिन्न प्रकार के अपराधों का सर्वप्रथम कारण माना है। व्यक्ति का मानसिक सन्तुलन बिगड़ जाता है। एक बार व्यक्ति द्वारा अपराध करने पर आगे भी ऐसा ही करना उसकी आदत बन जाती है।

**वेश्यावृत्ति** – कुछ विद्वान इस समस्या को टूटे हुये परिवारों और मनोवैज्ञानिक कारकों

Date: / /

द्वारा समझाने का प्रयत्न करते हैं।

भीख माँगना — कुछ व्यक्तियों ने इसे अपना व्यवसाय बना लिया है। अधिकतर व्यक्ति भीख इसलिए माँगना शुरू करते हैं।

## निर्धनता दूर करने की उपाय

कृषि में विकास → सरकार ने कृषि के विकास में अपना प्रमुख लक्ष्य मानकर छोटी व बड़ी सिंचाई योजनाओं में द्वारा कृषि उपज में वृद्धि की है।

जनसंख्या पर नियंत्रण — भारत सरकार ने जनसंख्या की वृद्धि को रोकने के लिए परिवार नियोजन कार्यक्रम लागू किया है। परिवार नियोजन द्वारा जनसंख्या की वृद्धि में कमी पायी जाती है।

व्यापार को प्रोत्साहन — भारत सरकार ने व्यापार को प्रोत्साहन देने के लिए बैंकों द्वारा कर्ज देने का फैसला किया। लघु उद्योग खोलने के लिए सरकार ने ऋण देने हेतु उद्योग विभाग खोला है।

## बेकारी उन्मूलन और सामाजिक सुरक्षा

हमारे देश में कई समस्याएँ हैं। जिनमें बेकारी की समस्या सर्वोपरि है। बेकारी के कारण उत्पन्न हुई गरीबी दूर करने के लिए देश में हजारों रोजगार दफ्तरों की स्थापना की गयी है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Date: / /

## दलित अनुसूचित जाति का अर्थ

डॉं मजूमदार → ने लिखा है। जातियाँ वे जातियां है। जो विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक नियोग्यताओ से पीड़ित है। जिसमे से बहुत से नियोग्यताएँ उच्च जाति द्वारा परमपरागत रुप से निर्धारित और सामाजिक रूप से लागू है।

हट्टन ने — जो उच्च स्थिति के ब्राह्मणो की सेवा प्राप्त करने के आयोग्य हो या सवर्ण हिन्दुओ की सेवा करने वाले नाइयो, कहारो तथा दर्जियों की सेवा पाने के आयोग्य हो तथा हिन्दु ~~मन्दिरो~~ मन्दिरो मे प्रवेश प्राप्त करने के आयोग्य हो सार्वजनिक सुविधाओ पाठशाला सड़क कुआ उपयोग मे लाने आयोग्य है।

## अनुसूचित जातियो की समस्याएँ

(1) निम्न स्थिति — अनुसूचित जाति को समाज निम्न जाति मानता है। तथा उच्च जातियो के द्वारा इन्हे घृणा की दृष्टि से देखा जाता है। जैसा की जगजीवन राम ने लिखा है। प्रत्येक व्यक्ति कम से कम देखने मे सार्वजनिक रुप से जाति की निन्दा करते है। मजूमदार और मदान ने लिखा है।

Date: / /

## सामाजिक सम्पर्क पर रोक –

मनुस्मृति के अनुसार चाण्डालों या अस्पृश्यों का विवाह एवं सम्पर्क अपने बराबर वालों के साथ ही होता है। रात्रि के समय इन्हे गाँव व नगर मे विचरण करने का अधिकार नहीं दिया जाय। दक्षिण भारत मे सन्दर्भ मे मजूमदार ने लिखा कि ये अपने आवास क्षेत्र के बाहर नहीं जा सकते है। केवल रात्रि होने पर ही आ जा सकते है।

## आवास सम्बन्धी प्रतिबन्ध –

मनुस्मृति – के अनुसार "चाण्डालो और श्वपाकों का निवास निवास स्थान गाँवो के बाहर होगा "शायद इसी भावना के कारण अनुसूचित जाति को उच्च बस्तियों से दूर रहने के निर्देश दिये गये और इनके आवास अधिकांश: गाँवों से दूर होते है। शहरो मे भी इनके अवास स्थल उच्च वर्गो के अवासो से दूर है

## शिक्षा और मनोरंजन से वंचित –

प्राचीन काल से ही अछुतो को तथा निम्न जाति के लोगो व शुद्रो को शिक्षा एव मनोरंजन के शिक्षा से दूर रखा गया है। अध्ययन कार्य (शिक्षा) से इन्हे पूर्णत: वंचित रखा गया और ये लोग धीरे धीरे निरक्षरता से अन्धकार मे भटकते रहे जैसे ~~हाल~~ हालो बजारो मेले

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Date: / /

सामाजिक उत्सव व त्योहारों में शामिल होने तक वे वंचित रखा गया फलतः इनका मानसिक विकास अवरुद्ध हो गया है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

22/6/2020

## अन्य पिछड़े वर्ग की समस्याएँ

सभी पिछड़ी जातियों अथवा अन्य वर्ग की समस्या एक समान नहीं हो सकता है।

सामाजिक समस्याएँ जिनमें यहाँ की